हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 9)(विश्वेश्वरैया– आर.के. मूर्ति ;अनुवाद – सुमन जैन)

(कक्षा 7)

प्रश्न 2:

पाठ से

क:

अपने घर के बरामदे में खड़े होकर छः वर्षीय विश्वेश्वरैया ने क्या देखा ?

क:

अपने घर के बरामदे मतें खड़े विश्वेश्वरैया ने देखा कि आसमान में घने काले बादल छाए हुए हैं , उनके आपस में टकराने से आसमान में बिजली चमकती है और तेजी से बारिश होने लगती है।

ख:

तुम्हें विश्वेश्वरैया की कौन सी बात सबसे अच्छी लगी? क्यों ?

ख:

विश्वेश्वरैया के मन में गरीबों के प्रति दया और यह संकल्प लेना कि वे पूरी उम्र छात्र ही बने रहेंगे कुछ नया सीखते रहेंगे उनकी यह बात सबसे अच्छी लगी ।

ग:

विश्वेश्वरैया के मन में कौन–कौन से सवाल उठते थे ?

ग:

विश्वेश्वरैया के मन में हमेशा यह सवाल उठते रहते थे कि आखिर इतने लोग गरीब क्यों हैं? नौकरानी फटी साड़ी क्यों पहनती है?वह झोंपड़ी में क्यों रहती है? वह अपने बच्चों को स्कूल क्यों नहीं भेज सकती ?

प्रश्न 3:

अनुभव और विचार

क:

तुम्हें सर्दी–गरमी के मौसम में अपने घर के आसपास क्या–क्या दिखाई देता है ?

क:

हमें सर्दी के मौसम में अपने घर के आसपास चारों तरफ हरियाली और ठंडक तथा गर्मी में चारों तरफ झुलसते पेड़ और गर्मी से व्याकुल इंसान और जीव–जन्तु दिखाई देते हैं ।

ख:

तुमने पाठ में पढ़ा कि एक बूढ़ी महिला ताड़पत्र से बनी छतरी लिए खड़ी थी। पता करो कि ताड़पत्र से और क्या–क्या बनाया जाता है ?

ख:

ताड़पत्र से खाने की पत्तलें, दोने , चटाइयॉ आदि बनते हैं ।

ग:
विश्वेश्वरैया ने बचपन में रामायण, महाभारत, पंचतंत्र आदि की कहानियाँ सुनी थीं। तुमने पाठ्यपुस्तक के अलावा कौन–कौन सी कहानियाँ सुनी हैं ? किसी कहानी के बारे में बताओ।
ग:
हमने बचपन में राजा हरिश्चंद्र , सत्यवान–सावित्री और राजा –रानी की कहानियॉ सुनी हैं ।

घ:
तुम्हारे मन में भी अनेक सवाल उठे होंगे जिनके जवाब तुम्हें नहीं मिले। ऐसे ही कुछ सवालों की सूची बनाओ।
घ:
जंगली पेड़–पौधे अपने आप हरे –भरे कैसे रहते हैं ।
मौसम अपने आप कैसे बदलता है ।
पहाड़ दूर होकर भी पास कैसे दिखते हैं ।
ओले कैसे गिरते हैं ।
मेंढक बारिष में ही क्यों निकलते हैं ।

ङ:
तुम्हारे विचार से गरीबी के क्या कारण हैं?
ङ:
हमारे विचार से गरीबी का कारण लोगों को उनका हक न मिलना है । बड़े लोगों द्वारा छोटे लोगों को सताया जाना और उनका हक मारना है।

प्रश्न 4:
वाक्य बनाओ
नीचे पाठ में से चुनकर कुछ शब्द दिए गए हैं। तुम इनका प्रयोग अपने ढंग के वाक्य बनाने में करो।
क:
हरे–भरे
क:
हरे–भरे जंगल सुंदर लगते हैं ।

ख:
उमड़–घुमड़
ख:
उमड़–घुमड़ कर आसमान में बादल आए ।

ग:
एक–दूसरे
ग:
हमें एक दूसरे की मदद करनी चाहिए ।

घ:
धीरे–धीरे
घ:
कछुआ धीरे–धीरे चलता है

ङ:
टप–टप
ङ:
बारिश की बूंदें टप–टप पड़ रही हैं ।

च:
फटी–पुरानी
च:
गरीब बच्चे ने फटी– पुरानी कमीज पहन रखी है ।

प्रश्न 5:
इन वाक्यों को पढ़ो और इन्हें प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलो
क:
ज्ञान असीमित है।
क:
क्या ज्ञान असीमित है ?

ख:
आकाश में अँधेरा छाया हुआ था।
ख:
क्या आकाश में अंधेरा छाया हुआ है ?

ग:
गड्ढे और नालियाँ पानी से भर गईं।
ग:
क्या गड्ढे और नालियाँ पानी से भर गईं ?

घ:

उसने एक जल–प्रपात का रूप धारण कर लिया।

घ:

क्या उसने एक जल–प्रपात का रूप धारण कर लिया ?

ङ:

राष्ट्रीयता की चिंगारी जल उठी थी।

ङ:

क्या राष्ट्रीयता की चिंगारी जल उठी थी ?

च:

मैं काफी धन कमा लूँगा।

च:

क्या मैं काफी धन कमा लूँगा ?